अगस्त, 2016

हिमाचल शूरवीर हितैषी

निदेशक :
सैनिक कल्याण विभाग
हिमाचल प्रदेश सरकार
पिन–177001

नोट :– इस पत्रिका में प्रकाशित सामग्री केवल पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों को जागरूक करने के लिये है । उचित प्राधिकार एवं प्रकिया की जानकारी सम्बन्धित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं ।

संदेश

पूर्व सैनिकों की पुर्नस्थापना एवं पुर्नरोजगार हिमाचल प्रदेश सरकार के लिये सदैव ही प्राथमिकता का विषय रहा है । सरकार द्वारा बहुत से कार्यक्रम व योजनायें इस संदर्भ में चलाये जा रहें है जैसे कि ;

* प्रदेश के सभी सरकारी विभागों में श्रेणी-I,II,III,IV पदों के लिये 15 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान ।
* अपंग सैनिकों व युद्वशहीद के एक आश्रित को प्राथमिकता के आधार पर नौकरी।
* पूर्व सैनिकों के बच्चो को स्नातकोतर व व्यवसायिक पाठयक्रमों के लिए छावृतियां एवं आरक्षण ।
* शौर्य पुरस्कार विजेताओं को प्रोत्साहन राशि ।
* द्वितीय विश्व युद्व के योद्वाओं व उनकी विधवाओं के लिये मासिक आर्थिक सहायता ।
* शौर्य पुरस्कार विजेताओं और शहीद के एक आश्रित को हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा ।
* युद्व विधवाओं की लड़कियों की शादी हेतु आर्थिक सहायता ।
* शहीदों व अन्य घायल सैनिकों के लिये अनुग्रह राशी ।
* पूर्व सैनिकों के लिए सैनिक विश्राम गृहों का संचालन ।
* झण्डा निधि से पात्र पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों को आर्थिक सहायता ।
* व्यवसायिक प्रशिक्षण में सहायता ।

2. ऐसा अनुभव रहा है कि सूचना के आभाव में बहुत सारे पूर्व सैनिक इन सुविधाओं एवं योजनाओं का लाभ नहीं उठा पा रहे है। सैनिक कल्याण विभाग हिमाचल प्रदेश हिमाचल सरकार व केन्द्र सरकार द्वारा पूर्व सैनिक व उनके आश्रितों को दी जाने वाली कल्याणकारी योजनाओं को सैनिक कल्याण विभाग हि0 प्र0 की बैवसाईट, दूरदर्शन, समाचार पत्र व अन्य प्रकाशन व प्रसारण के माध्यम से प्रचारित करने का प्रयास कर रहा है । शूरवीर हितैषी पत्रिका का प्रकाशन एवं वितरण भी इसी दिशा में एक प्रयास है । मैं आशा करता हूँ कि ये सभी प्रयत्न सफल होंगे ।

3. मै सभी पूर्व सैनिकों से आहवान करता हूँ कि सरकार की सभी योजनाओं व सुविधाओं के बारे में जानकारी हासिल करके इनका अधिक से अधिक लाभ उठाये। हिमाचल प्रदेश सरकार सदैव आपके हित कि लिये आपके साथ है।

जय हिन्द ।

कर्नल डा0 धनी राम शांडिल
समाजिक न्याय अधिकारिता एवं
सैनिक कल्याण मंत्री हि0 प्र0

हिमाचल शूरवीर हितैषी

हिमाचल प्रदेश राज्य सैनिक कल्याण विभाग की

त्रैमासिक पत्रिका

Chief Editor & Publishers
Brig.
Suresh Kumar Verma
(Retd.)
Director

सन्देश

आज हम सूचना प्रौद्योगिकी के युग में से गुजर रहे हैं। प्रौद्योगिकी के माध्यम द्वारा तेजी से तथा कम लागत में सूचना का आदान प्रदान सम्भव हो गया है। सूचना के आदान प्रदान के माध्यम के रूप में इंटरनेट,ई–मेल, ई–कार्मस, सैटेलाइट टेलीफोन, मोबाईल फोन आदि हैं जिन्होंने सूचना क्षेत्र में रोजगार के अवसरों के द्वार खोल दिये हैं। यह या तो हार्डवेयर असेम्बली का मेंटेनेस हो सकता है या सोफटवेयर डेवलमैंट, इंटरनेट के उपयोग के लिए प्रदान की गई सेवा तथा मार्केटिंग आदि का क्षेत्र हो सकता है। प्रतिदिन नई प्रौद्योगिकी का विकास होता है एवं जानकारी मिलती है कि आज उन्नत की गई प्रौद्यौगिकी हर वर्ग के व्यक्ति है के लिए लाभदायक है।

आज के युग में सभी सरकारी, अर्धसरकारी,शिक्षा, प्रशिक्षण व रोजगार के क्षेत्र सूचना प्राप्त करना एवं दिन प्रतिदिन काम करने में सूचनार प्रौद्योगिकी का जोर–शोर से उपयोग हो रहा है। सैनिक कल्याण विभाग से जुड़ा हर एक पहलू की जानकारी को भी प्रौद्योगिकी के अर्न्तगत लाया जा रहा है। पूर्व सैनिकों के उपयोग की समस्त जानकारी हिमाचल प्रदेश सैनिक कल्याण विभाग एवं केन्द्रीय सैनिक बोर्ड की वेवसाईट (Website) hp.gov.in/swd व ksb.gov.in पर दी गई है। आपको ज्ञात होगा कि पूर्व सैनिकों के कल्याण की योजनाओं के लिए अब आनलाईन पंजीकरण एवं आवेदन करना आवश्यक है।

मैं सभी पूर्व सैनिकों से आहवान करना चाहता हूं कि हम सब अपने आपको सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में सक्षम बनायें ताकि रोजमर्रा की जिन्दगी में पीछे न छूट जाये।

जय हिन्द ।

आपका सेवक

ब्रिगेडियर सुरेश कुमार वर्मा, सेवानिवृत
निदेशक, सैनिक कल्याण, हि0 प्र0
फोन : 01972–221854, 224659

विभागीय कार्यकलाप/गतिविधियां

पुनरोजगार :-

हिमाचल प्रदेश के विभिन्न विभागों से भूतपूर्व सैनिकों के पदों की मांग पर मई 2016 से जुलाई 2016 तक हिमाचल प्रदेश,भूतपूर्व सैनिक रोजगार कक्ष हमीरपुर द्वारा विभिन्न श्रेणियों के Welfare Organiser, PGT (English), PGT-IP,PGT (Biology), JE Civil, Senior Treatment Superivisor, Laboratory Technician, Panchayat Shayak- Shimla, TGT (Non-Medical), JOA (IT), Data Entry/Computor Operator, Surveyor, Fireman, PET- Hamirpur पदों पर भूतपूर्व सैनिकों के साक्षत्कार लिये गये है।

हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम के लिये परिचालक (Conductor) , हिमाचल प्रदेश विधुत बोर्ड में टी मेट तथा PGT और TGT के लिये शीघ्र ही साक्षात्कार लिये जायेगे। पात्र उम्मीदवारो को call letter भेजे जा रहें है।

प्रधानमन्त्री छात्रवृति योजना :-

केन्द्रीय सैनिक बोर्ड द्वारा प्रधानमंत्री छात्रवृति योजना के अंतगर्त भूतपूर्व सैनिको के बच्चों को व्यवसायिक कोर्स के लिए छात्रवृति प्रदान की जाती है। वर्ष 2015–16 में केन्द्रीय सैनिक बोर्ड द्वारा प्रधानमंत्री छात्रवृति योजना के अतंगर्त 72 लाभार्थियों को रूप्ये 1,55,250/–की राशि प्रदान की गई। प्रदेश में पूर्व सैनिकों की संख्या को देखते हुए यह वहुत कम है । ज्यादा से ज्यादा पूर्व सैनिक समय पर आवेदन देकर इसका लाभ उठा सकते है।

Ex-Gratia Grant :-

युद्ध में शहीद हुए सैनिकों व अपंग हुए सैनिकों को हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा अनुग्रहपूर्वक अनुदान प्रदान की जाती है । मई 2016 से जुलाई 2016 तक में हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा 07 युद्धमें शहीद हुए सैनिकों, अपंग हुए सैनिकों व सेवारत सैनिक की सामान्य स्थिति में अकाल मृत्यृ होने पर उनके परिवार के NOK को अनुग्रहपूर्वक अनुदान रूप्ये 21,05,000/– की राशि प्रदान की गई। हिमाचल प्रदेश सरकार की अधिसूचना SWD(C)5-1/2015 दिंनाक 16 जून

2016 के अनुसार युद्वमें शहीद ,अपंग हुए सैनिकों और सेवारत सैनिक की सामान्य स्थिति में अकाल मृत्यृ होने पर उनके परिवार के NOK को रूप्ये 35,000/– की तुरन्त/फौरी तौर पर Ex-Gratia Grant प्रदान करने के आदेश हिमाचल प्रदेश के सभी जिलाधीशों को दिये गये है।

शौर्य पुरस्कार विजेता :-

हिमाचल प्रदेश सरकार की अधिसूचना संख्या SWD-(F) 4-2/2015 दिंनाक 30 जून 2016 के द्वारा शौर्य पुरस्कारों में परमवीर चक्र एवं अशोक चक्र की एक मुश्त व वार्षिक राशि रूप्ये 25 लाख (एक मुश्त राशि) व 1.25 लाख/1.00 लाख (वार्षिकी) से बढ़ाकर क्रमशः 30 लाख (एक मुश्त राशि) एवं 3 लाख (वार्षिकी) किया गया तथा महावीर चक्र के लिये 15 लाख (एक मुश्त राशि) और 1 लाख (वार्षिकी) से बढाकर 20 लाख (एक मुश्त राशि) एवं 2.00 लाख (वार्षिकी) किया गया।

सैनिक विश्राम गृहों का रख-रखाव :-

हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा वित वर्ष 2015–16 में हिमाचल प्रदेश के सैनिक विश्राम गृहों के रख–रखाव व मुरम्मत हेतु 2 करोड़ रूप्ये स्वीकृत किये थे। सैनिक विश्राम गृहों के रख–रखाव व मुरम्मत का काम चला हुआ है और अति शीघ्र कार्य समाप्त हो जायेगा।

केन्द्रीय सैनिक बोर्ड की 30वीं बैठक

केन्द्रीय सैनिक बोर्ड की 30 वी बैठक रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में नई दिल्ली में दिंनाक 21 जुलाई 2016 को सम्पपन हुई । बैठक में भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण सम्बन्धित विषयों पर चर्चा के बाद निर्णय लिये गये । कर्नल डा0 धनी राम शांडिल, माननीय सैनिक कल्याण मंत्री हिमाचल प्रदेश ने प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया । श्री मोहन चौहान, सचिव सैनिक कल्याण विभाग व ब्रिगेडियर सुरेश कुमार वर्मा (से0नि0) निदेशक, सैनिक कल्याण विभाग हिमाचल प्रदेश ने भी बैठक में भाग लिया । माननीय मन्त्री जी ने बैठक में बताया कि हिमाचल सरकार पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों के कल्याण के प्रति हमेशा ही प्रथमिकता रही है । प्रदेश सरकार ने सभी सरकारी विभागों मे Class-I,II,III,IV पदों पर पूर्व सैनिकों के लिये 15 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान रखा है जो कि देश के किसी भी राज्य से सबसे अधिक है और साथ में यह भी बताया कि Class-III,IV के सभी पद वरिष्ठता, योग्यता और पात्रता के अनुसार हिमाचल प्रदेश भूतपूर्व सैनिक रोजगार कक्ष हमीरपुर द्वारा मनोनीत किये जाते है। ऐसा प्रावधान भी देश में केवल हिमाचल प्रदेश में ही है । इसके अतिरिक्त माननीय मन्त्री जी ने अन्य कल्याणकारी योजनाओं का विवरण देते हुये यह भी बताया कि सोलन, रोहड़ु व हमीरपुर में एकीकृत सैनिक सदन बनाने का प्रस्ताव केन्द्रीय सैनिक बोर्ड को भेज जाने की प्रकिया जारी है ।

एकीकृत सैनिक सदन स्थापित करने में मदद करे केंद्र : शांडिल

भूतपूर्व सैनिकों व उनके परिजनों के लिए और अधिक पॉलीक्लीनिक खोलने की मांग

शिमला, 21 जुलाई (कुलदीप): सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डा. धनीराम शांडिल ने केंद्र सरकार से हिमाचल प्रदेश में एकीकृत सैनिक सदन स्थापित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इसमें आधुनिक सुविधाएं (शेष पृष्ठ 2 कालम 2 पर)

शिमला : हि.प्र. के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डा. धनी राम शांडिल नई दिल्ली में आयोजित केन्द्रीय सैनिक बोर्ड की उच्च स्तरीय बैठक में भाग लेते हुए। (नि.स.)

एकीकृत सैनिक सदन...

उपलब्ध करवाई जानी चाहिएं। वीरवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री मनोहर पार्रिकर की अध्यक्षता में हुई बैठक में उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में सैनिकों एवं भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण व उनके परिजनों के कल्याण के लिए अनेक कदम उठाए हैं। प्रदेश में करीब 18 सैनिक विश्रामगृह स्थापित हैं जिनकी मुरम्मत के लिए सरकार ने 2 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आधुनिक सुविधाओं से युक्त और सैनिक सदनों के निर्माण की आवश्यकता है।

प्रदेश सरकार ने सोलन, रोहड़ू तथा हमीरपुर में एकीकृत सैनिक सदन स्थापित करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा है। शांडिल ने रक्षा मंत्री से आग्रह किया है कि इन प्रस्तावों का प्राथमिकता के आधार पर अनुमोदन करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने द्वितीय विश्व युद्ध के सैनिकों अथवा उनकी विधवाओं की पैंशन को बढ़ाकर 3,000 रुपए प्रति माह किया है। इसी तरह सभी सरकारी विभागों में भूतपूर्व सैनिकों के लिए 15 फीसदी पद आरक्षित करने का प्रावधान किया गया है जोकि देश में सर्वाधिक है। उन्होंने प्रदेश में भूतपूर्व सैनिकों व उनके परिजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने और प्रदेश में अधिक पॉलीक्लीनिक खोलने की मांग की। इस उच्च स्तरीय बैठक में सैनिक कल्याण बोर्ड के सचिव मोहन चौहान तथा निदेशक सैनिक कल्याण बोर्ड ब्रिगेडियर एस.के. वर्मा ने भी भाग लिया ।

सैनिक कल्याण विभाग हिमाचल प्रदेश

जनवरी 2016 से 31 जुलाई 2016 तक हिमाचल प्रदेश के विभिन्न विभागों से भूतपूर्व सैनिकों के पदों की मांग पर हिमाचल प्रदेश भूतपूर्व सैनिक रोजगार कक्ष हमीरपुर द्वारा विभिन्न श्रेणियों के पदों पर भूतपूर्व। सैनिकों के नाम मनोनीत किये हैं। जिनका ब्यौरा इस प्रकार से है।

Sr. No.	Name of Designation	Total Nos
1.	Fireman	14
2.	TGT	29
3.	Jr T-Mate	54
4.	Surveyor	14
5.	JE (Civil)	2
6.	JOA (IT)	41
7.	Clerk	33
8.	Computer Operator	8
9.	Panchayat Sahayak	21
10.	Forest Guard	12
11.	PGT	4
12.	Pharmasist	1
13.	Civil Deptt. Instructor Hav QM	1
14.	Drivers	14
15.	Welfare Organisor	8
16.	Frash-cum-Mali	6
17.	LT	1
18.	PET	1
19.	Staff Nurse	1
20.	Steno	3
	TOTAL	**268**

EDUCATION GRANTS PROVIDED BY R&W SECTION (CORPUS)/DIRECTORATE OF INDIAN ARMY VETERANS

R&W Section (Corpus)/Directorate of Indian Army Veterans (DIAV) provides education grant to the wards of soldiers who die in harness. It also includes suicide cases and there is no bar on number of children. Education grant is persently available for the academic year 2015-16. Last date of submission of documents is 30 Nov. 2016. Details of annual monetary benefits of the education grants are as under :-

(a)	Class I to VIII	-	Rs. 5,000/-
(b)	Class IX to XII	-	Rs. 7,000/-
(c)	Graduation	-	Rs. 15,000/-
(d)	Post Graduation	-	Rs. 20,000/-
(e)	Professional Courses	-	Rs. 50,000/- (Max)

2. Documents to be submitted for education scholarship are as under :-
   - (a) Application form duly countersigned by the Principal of the School/College.
   - (b) Fees receipts in original for the academic year 2015-16.
   - (c) Copy of the mark sheet of the class passed, as on 31 Mar 2016.
   - (d) Copy of the service booklet to include the details of wards.
   - (e) A cancelled cheque.
   - (f) Mobile No must be mentioned and should be in use.

3. There is only one form for the education grant, one time computer grant and widow higher education. Application Forms can be donwloaded at www.indianarmyveterans.gov.in.

4. Amount will be transferred in the account of the beneficiary before 31 March 2017 by NEFT.

Contact Details are as under :-

Director (Corpus)
Rehabilitation & Welfare Section
Directorate of Indian Army Vetrans (DIAV)
AG's Branch, Integrated HQ of MoD (Army)
Adjacent to Central Org ECHS
104, Cavalry Road, Delhi Cantt-110010
Tele No. : 33344 (Army), 011-25674067 (Civil)
E-mail : rnwcorpus@gmail.com

कारगिल विजय दिवस

समस्त भारत में 26 जुलाई 2016 को भारत और पाकिस्तान के कारगिल युद्व में भारत की विजय के उपलक्ष्य में विजय दिवस मनाया गया । इस दिन कारगिल युद्व में शहीद हुये सैनिकों के प्रति सभी भारतीयों ने श्रंद्वाजलि अर्पित की और शहीदों की बलिदानों की काथाओं के माध्यम से लोगों में देश प्रेम की जागृति पैदा की। इस युद्व में हिमाचल प्रदेश के सैनिकों का एक महत्वपूर्ण योगदान रहा है प्रदेश के बहुत सारे सैनिकों ने अपने प्राणो का सर्वोच्च बलिदान देकर प्रदेश व देश का नाम रोशन किया है। सैनिक कल्याण विभाग इन योद्वाओं के परिवारों का आभार व्यक्त करता है तथा आश्वासन दिलाना चाहता है कि हम सदैव उनके साथ है तथा उनकी सहायता करने के लिये तत्पर है। हिमाचल प्रदेश से कारगिल युद्व में 54 सैनिक शहीद हुए थें इनका व्यौरा इस प्रकार से है:–

Capt Vikram Batra PVC	H.No. 295, Ward No. 5, Post Office Palampur, Distt. Kangra (H.P.)
Lt Saurabh Kalia	Vill. Sugger, P.O. Bundla, Teh. Palampur, Distt. Kangra (H.P.)
GDR Bajinder Singh	Vill. Nandlu, P.O. Bane-Di-Hatti, Teh. Dehra, Distt. Kangra (H.P.)
Rfn Rakesh Kumar	Vill. Lambapatt, P.O. Gopalpur, Teh. Palampur, Distt. Kangra (H.P.)
L/Nk Veer Singh	Vill. Baldoa, P.O. Gharjarot, Teh. Jawali, Distt. Kangra (H.P.)
Rfn Ashok Kumar	Vill. Lohara, Tehsil Jawali, Distt. Kangra (H.P.)
Rfn Sunil Kumar	VPO Khaniara, Teh. Dharamshala, Distt. Kangra (H.P.)
Sep Lakhbir Singh	Vill. Dudhar (Rit), P.O. Gangth, Teh. Nurpur, Distt. Kangra (H.P.)
Nk Braham Dass	Vill. Tanda Massal, P.O. Nagrota Bagwan, Teh. & Distt. Kangra (H.P.)
Rfn Jagjeet Singh	Vill. Kot Palari, P.O. Kot, Teh. Nurpur, Distt. Kangra (H.P.)

Sep Santokh Singh	Vill. Jatoli, P.O. Thore Behlum, Teh. Nurpur, Distt. Kangra (H.P.)
Hav Surinder Singh	Vill. Dhan, P.O. Matahar, Teh. Jawali, Distt. Kangra (H.P.)
L/Nk Padam Singh	Vill. Bharvie P.O. Indore, Teh. Nurpur, Distt. Kangra (H.P.)
GDR Surjit Singh	Vill. Lower Sunhet, P.O. Chudhrer, Teh. Dehra, Distt. Kangra (H.P.)
GDR Yoginder Singh	Vill. Amb Pathiar, P.O. Jawala Mukhi, Teh. & Distt. Kangra (H.P.)
Capt Deepak Guleria	H.No. 704, Sector-12, Panchkulla (Haryana)
Nb Sub Khem Chand Rana	Vill. Tandu, P.O. Saiglroo, Teh. Sadar, Distt. Mandi (H.P.)
Hav Krishan Chand	H. No. 194/12, Mohalla Ram Nagar, P.O. Ram Nagar, Teh. & Distt. Mandi (H.P.)
Nk Sarwan Kumar	Vill. Hawani, P.O. Rewalsar, Teh. & Distt. Mandi (H.P.)
Sep Tek Singh Mastana	Vill. Saqyana, P.O. Dhaban, Teh. & Distt. Mandi (H.P.)
Sep Rakesh Kumar Chauhan	VPO Dhanotu, Teh. Sundarnagar, Distt. Mandi (H.P.)
Sep Naresh Kumar	Vill. Dhanesh Wari, P.O. Kalahod, Teh. & Distt. Mandi (H.P.)
Sep Heera Singh	Vill. Jhal, P.O. Padhium, Teh. & Distt. Mandi (H.P.)
GDR Puran Chand	Vill. Daran, P.O. & Teh. & Distt. Mandi (H.P.)
L/Hav Gurdus Singh	Vill. Chalkhi, P.O. Diyargi, Distt. Mandi (H.P.)
Nk Mehar Singh	Vill. Gagal, P.O. Banjarag, Teh. Lad Bharol, Distt. Mandi (H.P.)
L/Nk Ashok Kumar	Vill. & P.O. Pairi, Teh. Sadar, Distt. Mandi (H.P.)

Hav Kashmir Singh VrC	V.P.O. Uhal, Teh. & Distt. Hamirpur (H.P.)
Hav Raj Kumar	Vill. Baglu, P.O. Kakkar, Teh. Sujanpur, Distt. Hamirpur (H.P.)
Sep Dinesh Kumar	Vill. Andral, P.O. Uhal, Teh. & Distt. Hamipur (H.P.)
Hav Swami Dass Chandel	Vill. Samlehra, P.O. Bagwara, Teh. Bhoranj, Distt. Hamirpur (H.P.)
Sep Rakesh Kumar	Vill. Kach-Palahi, Teh. Beer Baghera, Teh. Sujanpur, Distt. Hamirpur (H.P.)
Rfn Parveen Kumar	Vill. Sunhani, P.O. Kulhera, Teh. Barsar, Distt. Hamirpur (H.P.)
Sep Sunil Kumar	Vill. Tanyankar, P.O. Amroh, Distt. Hamirpur (H.P.)
Rfn Deep Chand	V.P.O. Baroti, Teh. Barsar, Distt. Hamirpur (H.P.)
Hav Udham Singh VrC	Vill. Cheri, P.O. Naswal, Teh. Ghumarwin, Distt. Bilaspur (H.P.)
Nk Mangal Singh	Vill. Kothi, P.O. Kishrian, Near Talai, Teh. Jhandutta, Distt. Bilaspur (H.P.)
Rfn Vijay Pal	Vill. Patta, P.O. Naswal, Teh. Ghumarwin, Distt. Bilaspur (H.P.)
Hav Raj Kumar	Vill. Masdhar, P.O. Moresinghi, Teh. Ghumarwin, Distt. Hamirpur (H.P.)
Nk Ashwani Kumar	Vill. Jathwin, P.O. Jhanwha, Distt. Bilaspur (H.P.)
Hav Piyar Singh	Vill. Khater, P.O. Jhandutta, Teh. Ghumarwin, Distt. Bilaspur (H.P.)
Nk Mast Ram	Vill. Duhak, P.O. Sunhani, Teh. Ghumarwin, Distt. Bilaspur (H.P.)
Gnr Yashwant Singh	Vill. Kewali, P.O. Khadrala, Teh. Rohru, Distt. Shimla (H.P.)
Rfn Shyam Singh VrC	Vill. Kalara, P.O. Nerwa, Teh. Chopal, Distt. Shimla (H.P.)

GDR Naresh Kumar	Vill. Mool Bhajji, Teh. Thaila, Teh. Suni, Distt. Shimla (H.P.)
GDR Anant Ram	V.P.O. Bharara, Teh. Suni, Distt Shimla (H.P.)
Capt Amol Kalia VrC	Amol Sadan 1272 II, Shiwalik Avenue Nangal
Rfn Manohar Lal	Kuthar Bet, P.O. Kuthar Beet, Teh. Haroli, Distt. Una (H.P.)
Sep Dharmender Singh	Vill./ Bugher, P.O. Rampur, Teh. Kasauli, Distt. Solan (H.P.)
Rfn Pardeep Kumar	Vill. Pandal, P.O. Bdohari, Teh. Nalagarh, Distt. Solan (H.P.)
Rfn Kulvinder Singh	Vill. Yahwala, P.O. Givinagar, Teh. Paonta Shahib, Distt. Sirmour (H.P.)
Rfn Kalyan Singh SM	V.P.O. Hallan, Teh. Shillai, Distt. Sirmour (H.P.)
Sep Khem Raj	Vill. Gola, Teh. Bhatiyar, Distt. Chamba (H.P.)
Hav Dola Ram SM	Vill. Skroli, P.O. Nithar, Teh. Nirmand, Distt. Kullu (H.P.)

सभी शहीदों को शत-शत प्रणाम

पूर्व सैनिक कल्याणकारी योजनाओं के लिए ऑन लाईन (On line) पंजीकरण

भारत सरकार रक्षा मंत्रालय, केन्द्रीय सैनिक बोर्ड नई दिल्ली द्वारा पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों को केन्द्र सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सभी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत आर्थिक सहायता के फार्म on line बैव पोर्टल www.ksb.gov.in का आरम्भ मार्च 2016 में किया गया है । इसके अन्तर्गत पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों को केन्द्र सरकार द्वारा Children grant, Penury grant, Marriage grant, Orphan grant, House Repair grant, Disabled children grant, Officer's Training grant, Funeral grant . Vocational Training grant, PM Schorlarship etc. के फार्म बैव पोर्टल www.ksb.gov.in पर on line भरे जायेगें। इसके लिये आवेदक को पहले ऑन लाईन पंजीकरण करने उपंरात लॉग इन करना पडेगा । ऑनलाईन पंजीकरण करने हेतु आवेदक को ई–मेल आई डी, फोन नम्बर, आर्मी नम्बर, नाम, भर्ती व सेवानिवृति की तिथि, आधार नम्बर, घर का पता, बैंक का नाम खाता नम्बर व IFSC कोड एवम भूतपूर्व सैनिक का पहचान कार्ड संख्या इत्यादि उपलोड करने होगे । पंजीकृत करने उपरांत पूर्व सैनिक केन्द्र सरकार की किसी भी कल्याणकारी योजना के लिये आवेदन कर सकतें है। पूर्व सैनिक के ऑन लाईन कोई भी फॉर्म भरने के उपरांत आवेदक के सम्बन्धित जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में फार्म प्रेषित हो जायेगा । सम्बन्धित जिला सैनिक कल्याण कार्यालय ऑन लाईन फार्म की जांच पड़ताल करेगा व सही योग्य पाये जाने आवेदक के फॉर्मो को निदेशक सैनिक कल्याण विभाग हिमाचल प्रदेश हमीरपुर को संस्तुति सहित ऑन लाईन प्रस्तुत करेगा । निदेशालय सैनिक विभाग हिमाचल प्रदेश पुनः जांच पड़ताल करने उपरांत केन्द्रीय सैनिक बोर्ड को अनुमोदन हेतु ऑन लाईन प्रस्तुत करेगा । केन्द्रीय सैनिक बोर्ड ऑन लाईन फॉर्म को स्वीकृति करने उपरांत आवेदक के दिये गये खाता संख्या में आर्थिक सहायता डालेगा ।

इस ऑन–लाईन योजना से पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत आर्थिक सहायता लेने हेतु काफी सहुलियत प्रदान होगी । आन लाईन पंजीकरण की विधि इस प्रकार से है :–

1. First of all you have to create your E-mail id .
2. Open Kendriya Sainik Board Secretariat Web Portal on www.ksb.gov.in
3. On top of right side click on Register.
4. Upload your passport size photograph.
5. Fill up registration form Part-I and Part-II carefully. Note that no column should be left blank.
6. Click on submit.
7. In a few seconds message will be sent your mobile and on email regarding your User Id and Password.
8. On the same way you go to the Log in using your user Id and ' password provided to you on your mobile and email.
9. After log in click on Welfare Schemes for which you want to apply.
10. Fill up your application forms carefully and upload the documents as listed in application form. Take print out your application and submit to your concerned Zila Sainik Board.
11. Your ZSB will call you for verification of your original documents.

सभी पूर्व सैनिकों से अनुरोध है कि शीघ्र अति शीघ्र अपना पंजीकरण करवाये ।

वीरता एवं साहस की मिसाल

देश की रक्षा में प्राणों का बलिदान देने वाले हवलदार जीवन कुमार आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है। उनकी शहादत पर देशवासियों को गर्व है ।भारत माता की रक्षा करतें हुए वीरगति प्राप्त करने वाले इस जवान पर परिजनों को नाज है। पिता की शहादत के बाद बेटा भी आर्मी में सेवाएं दे रहा है।

हवलदार जीवन कुमार का जन्म 20 फरवरी 1957 को गांव बजडोह डाकघर बधाणी तहसील भोरंज जिला हमीरपुर में हुआ। उनके पिता का नाम धनीराम व गीता देवी के घर हुआ। जीवन कुमार की दसवीं तक की पढ़ाई स्थानीय स्कूल में ही हुई। जीवन कुमार बचपन से ही सेना में जाने का सपना देखा करते थे। महज 20 वर्ष की आयु में उनका सपना साकार हो गया। जीवन कुमार 16 डोगरा रेजीमेंट में भर्ती हो गये।

सेना के कई आपरेशनों में उन्होनें देश के दुशमनों को मौत के घाट उतारा है। नम्बर 1995 में एक विशेष आपरेशन के दौरान जीवन कुमार जम्मु कश्मीर के अखनूर में तैनात थे ।आंतकवादियों का सामना करते हुए उन्होनें कई आतंकियों को मौत की नींद सुला दिया। 18 नवम्बर 1995 को दुशमनों का सामना करते हुए जीवन कुमार घायल हो गये तथा उनके सीने व पेट पर गोलियां लग गई । घायल होने के बाद भी इस वीर जवान ने दुश्मनों का डटकर सामना किया। मौत के साथ जंग लड़ रहे इस वीर जवान ने 36 दिन बाद आर्मी अस्पताल दिल्ली में 24 दिसम्बर 1995 को आखिरी सांस लेते हुए भारतीय सेना के उच्च आदर्शो का अनुसरण करते हुए प्राण न्यौछावर कर दिये ।

उनकी पत्नी श्रीमति सुरेश कुमारी ने बड़े ही साहस और दृढ़ निश्चय की मिसाल पेश करते हुए अपने परिवार के पालन–पोषणा का बीड़ा उठाया। वीरता और साहस की परम्पराओं का निर्वहन करते हुए घर से बाहर निकल कर नौकरी करने का निर्णय किया। इस वीर जवान के मरणोपरांत उनकी पत्नी को सरकार ने सैनिक कल्याण विभाग में नौकरी प्रदान की है । आज वह भूतपूर्व सैनिक रोजगार कक्ष में वरिष्ठ सहायक के पद पर तैनात है। विभाग में एक कर्मठ कर्मचारी होने के साथ साथ इन्होंने अपने बच्चों का उचित पालन पोषण करते हुए शिक्षा दिलाई तथा समाज में एक सफल नागरिक बनाया। इनके हौंसले और दृढ़ निश्चय का प्रमाण इससे अधिक क्या हो सकता है कि इन्होंने अपने बेटे को वीरता और साहस की परम्पराओं का एक बार फिर से परिचय देते हुए भारतीय सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। उनका बेटा संजीव कुमार सेना में 17 डोगरा रेजमेंट में सेवाएं दे रहा है।

सैनिक कल्याण विभाग हिमाचल प्रदेश को इस वीर नारी के अदम्य साहस, दृढ़ निश्चय और वीरता पर गर्व है ।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस निधि के लिए अपील

सशस्त्र सेनाओं का गौरव पूर्ण इतिहास रहा है, जिन्होने हमारे देश की सेवा करते हुए थल, जल, नभ में जो कुर्बानियां की हैं, उनके उल्लेख की कोई आवश्यकता नहीं है। प्राकृतिक आपदा के दौरान भी नागरिकों की मदद करने में जो महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं उससे भी हम अच्छी तरह परिचित हैं।जब भी देश पर बाहरी आक्रमण हुए, हमारे बहादुर सैनिक भारत माता की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने में पीछे नहीं रहे । देश की रक्षा के लिए होने वाले शहीदों के पीछे उनके असहाय परिवार रह जाते हैं । बहुत से सैनिक विकलांग होकर घर लौटते हैं। यह जवान घरेलू सुखों से दूर रहकर वर्फ की चोटियों पर सीमाओं की रक्षा करते हुए अपना दिन रात एक कर देते हैं।

हर वर्ष 07 दिसम्बर को झण्डा दिवस के रूप में सारे भारत वर्ष में मनाया जायेगा । हिमाचल प्रदेश में पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण हमारे प्रदेश में हर एक नागरिक तक एक दिन में पहुंच पाना कठिन है । इस लेख के माध्यम से अपील है कि प्रदेश के दूर–दराज, दुर्गम क्षेत्रों मे हर प्रदेश वासी अपने सामर्थ्यनुसार इस समारोह में बढ़ चढ़ कर भाग ले । झण्डा दिवस हमारे प्रदेश वासियों को एक ऐसा आदर्श अवसर प्रदान करता है, जिसमें वे उदारतापूर्वक दान देकर सशस्त्र सेना के साथ स्नेह स्थापित कर सकते है । झण्डा दिवस निधि का उदेश्य युद्वविधवाओं, अपंग सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों का उत्थान करना है। हिमाचल प्रदेश के वीर सपुत्रों का हमारी सशस्त्र सेनाओं में गौरवपूर्ण इतिहास रहा है, इसलिये यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम सब इस महान कार्य के लिए उदारतापूर्व योगदान दें। आपके द्वारा दी गई राशि से उन सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को सहायता व राहत उपलब्ध करवाई जाती है जिन्होने अपनी मातृभूमि की रक्षा एवं अखण्डता के लिए परम बलिदान दिए हैं।

आपके योगदान से हमारे राष्ट्र की रक्षा में सेवारत जवानों को भी आभास होगा कि देश की जनता उनके साथ है अतः झण्डा दिवस के उपलक्ष में हिमाचलवासियों द्वारा स्वेच्छानुसार अधिक से अधिक दान देकर अपना योगदान दें।

झण्डा दिवस के लिए दान की हुई राशि को इन्कम टैक्स से छूट है। इस राशि को जिला सैनिक कल्याण अधिकारी या निदेशक सैनिक कल्याण विभाग के कार्यालय में जमा किया जा सकता है।

समाचार पत्रों में

सरकार सेवारत व पूर्व सैनिकों के कल्याण के प्रति वचनबद्ध : शांडिल

सैनिक कल्याण विभाग ने की समीक्षा बैठक

शिमला, 27 अप्रैल (अभिषेक): सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता एवं सैनिक कल्याण मंत्री डा. कर्नल धनीराम शांडिल ने कहा कि प्रदेश सरकार सेवारत सैनिकों व पूर्व सैनिकों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान कर रही है। प्रदेश सरकार ने 18 सैनिक विश्राम गृहों के रखरखाव व जीर्णोद्धार के लिए 2 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया है ताकि सेवारत सैनिकों व पूर्व सैनिकों को बेहतर सुविधा मिल सके।

उन्होंने कहा कि शौर्य पुरस्कार विजेताओं को 1.95 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है और गत वर्ष शहीदों को 1.14 करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि प्रदान की गई है। बुधवार को सैनिक कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा ऐसे पूर्व सैनिकों, जिन्हें कोई भी पैंशन प्राप्त नहीं हो रही है, को वृद्धावस्था पैंशन के तहत 6 करोड़ 40 लाख रुपए प्रदान किए गए हैं।

प्रदेश के 1202 शूरवीर अब तक हुए शहीद

डा. शांडिल ने कहा कि प्रदेश के 1202 शूरवीर विभिन्न आप्रेशनों के दौरान अब तक भारत माता की रक्षा करते हुए शहीद हुए हैं और अब तक प्रदेश के 848 सैनिकों को शौर्य पुरस्कार से नवाजा गया है। कारगिल युद्ध के दौरान ही प्रदेश के 52 शूरवीर शहीद हुए थे।

बैठक में सैनिक कल्याण विभाग के सचिव मोहन चौहान, सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर एस.के. वर्मा व शिमला जिला के सैनिक कल्याण विभाग के उपनिदेशक कर्नल पी.एस. अत्री उपस्थित थे।

वजीफे को 80 में से 72 आवेदन मंजूर

केंद्र सरकार प्रदेश के फौजी परिवारों के छात्रों को हर महीने देगी पीएम स्कॉलरशिप

■ दिव्य हिमाचल ब्यूरो, हमीरपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिमाचल के 72 फौजी परिवारों के छात्रों को इंजीनियर और डाक्टर बनाएंगे। मैरिट के आधार पर चयनित राज्य के इन छात्रों को बीटेक तथा एमबीबीएस के लिए प्रतिमाह पीएम स्कॉलरशिप मिलेगी। हिमाचल प्रदेश के सैनिक कल्याण विभाग से भेजे गए कुल 80 में से 72 आवेदनों को रक्षा मंत्रालय ने मंजूरी प्रदान कर दी है। इसके तहत छात्रों को पांच साल तक प्रतिमाह दो हजार तथा छात्राओं को 2250 रुपए की छात्रवृत्ति मिलेगी। राज्य सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक एसके वर्मा ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि हिमाचल के सबसे ज्यादा आवेदन मंजूर हुए हैं। उनका कहना है कि मंत्रालय ने हिमाचल से अधिक से अधिक आवेदन पीएम स्कॉलरशिप के लिए मांगे हैं। बताते चलें कि प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना के तहत सैनिकों तथा पूर्व सैनिकों के आश्रितों को प्रोफेशनल कोर्स के लिए स्कॉलरशिप मिलती है। उच्च शिक्षा के प्रोफेशनल कोर्स के लिए पीएम स्कॉलरशिप में सैनिकों-पूर्व सैनिकों की लड़कियों को 2205 तथा लड़कों को दो हजार प्रतिमाह मिलते हैं। इस बार केंद्र सरकार ने देश भर के साढ़े पांच हजार फौजी परिवारों के छात्रों को पीएम स्कॉलरशिप जारी करने का फैसला लिया था। इसके लिए सभी राज्यों से आवेदन मांगे गए थे। सूचना के अनुसार प्रचार-प्रसार की कमी के चलते हिमाचल प्रदेश के महज 80 फौजी परिवारों के छात्रों ने इसके लिए आवेदन किया था। दस जमा दो की मैरिट के आधार पर पीएम स्कॉलरशिप के लिए हुए चयन में हिमाचल के 80 में से 72 आवेदन मंजूर कर लिए हैं। इन आंकड़ों से प्रभावित होकर केंद्र सरकार ने राज्य कल्याण विभाग को भविष्य में अधिक से अधिक आवेदन भेजने के निर्देश दिए हैं। हालांकि प्रदेश में पूर्व सैनिकों की संख्या एक लाख 45 हजार 836 है। इनके आश्रितों सहित पूर्व सैनिक परिवारों की जनसंख्या पांच लाख के करीब आंकी गई है। सैनिक विभाग के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में एक लाख दस हजार 58 पूर्व सैनिक हैं। इसके अलावा 32 हजार 723 पूर्व सैनिकों की विधवाएं तथा 1055 वार विडो हैं।

■ इंजीनियर-डाक्टरी के लिए छात्राओं को 2250, छात्रों के लिए दो हजार छात्रवृत्ति

एचआरटीसी | सीधे इंटरव्यू के बाद होगी तैनाती, विद्युत बोर्ड में भी टीमेट का कार्य संभालेंगे

निगम में पूर्व सैनिकों से पदों को भरने की कवायद तेज

अश्वनी वालिया | हमीरपुर

हिमाचल पथ परिवहन निगम में लंबे समय बाद आखिर अब पूर्व सैनिकों से पदों को भरने की कवायद तेज हो गई हैं। इन पदों को भरने के लिए दो माह का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन दिनों बीते दिनों कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर बेशक मामला कोर्ट तक पहुंचा हो, लेकिन यहां पूर्व सैनिकों के 15 फीसदी कोटे के तहत इन पदों को भरने की सरकार की हरी झंडी मिलने के बाद पूर्व सैनिक रोजगार सैल विभाग ने इस वर्ग से कंडक्टर वर्ग के पदों को भरने के लिए इंटरव्यू प्रक्रिया शुरू करने को लेकर माथापची शुरू कर दी है। यही नहीं विद्युत कटों के कारण परेशान लोगों को व विद्युत बोर्ड को फील्ड स्टाफ की कुछ कमी को पूरा करने के लिए टीमेट के भी पद इस वर्ग के कोटे से भरने की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने का कार्य शुरू हो गया है।

बढ़ रहे डिपो कई पद खाली : वैसे एचआरटीसी में जहां 24 डिपो से बढ़ाकर 27 करने का कार्य तेजी पकड़ गया है, लेकिन कई पद निगम में खाली चलने से कई रूट्स भी प्रभावित होते रहे हैं। वहीं योजना के के तहत आई दर्जनों बसें डिपुओं में धूल फांक रही हैं। नए आदेशों के तहत 15 फीसदी पूर्व सैनिकों के कोटे के तहत करीब 65 पद कंडक्टर्स के अब भरे जाएंगे। इनको भरने के लिए पूर्व सैनिक सैल इंटरव्यू प्रक्रिया दो माह के भीतर पूरी करेगा। इस समय राज्य भर में करीब एक हजार कंडक्टरों के पद रिक्त चल रहे हैं। वैसे बीते दिनों निगम ने ओपन तौर पर करीब 500 पदों को भरने के लिए अलग से लिखित परीक्षा भी आयोजित की है। जबकि कोटे के तहत कंडक्टर इंटरव्यू प्रक्रिया में पूर्व सैनिक रोजगार सैल में जो भाग लेगा उसका कंडक्टर लाइसेंस भी जरूरी है। वैसे माना जा रहा है कि यदि शीघ्र ही ड्राइवर्स की भर्ती भी निकलती है तो इस वर्ग के कोटे के तहत भी नए पद इस वर्ग को निर्धारित हो सकते हैं।

28 से इंटरव्यू प्रक्रिया

वन विभाग में फारेस्ट गार्ड सहित 250 अन्य पदों पर भर्ती की प्रक्रिया पर लंबे समय से कार्य चल रहा था। अब 28 जून से पूर्व सैनिक रोजगार सैल में कोटे के तहत करीब 160 पदों को भरने के लिए जेओई के पदों को इंटरव्यू प्रक्रिया शुरू होगी। वैसे इन पदों के लिए जमा दो के साथ एक साल का डिप्लोमा जरूरी है। ऐसे में पहले पात्र न मिल पाने के कारण कई पद इसके खाली रह गए थे। अब दोबारा से इन पदों को भरने के लिए प्रक्रिया शुरू होने से कई पूर्व सैनिकों ने जरूर राहत की सांस ली है। क्योंकि इन्होंने डिप्लोमा प्रक्रिया पूरी कर ली है।

विद्युत बोर्ड में भी है कोटा

विद्युत बोर्ड में भी इन दिनों फील्ड स्टाफ की बेहद कमी चल रही है। अब पूर्व सैनिक कोटे के तहत 15 फीसदी पद टीमेट के इस वर्ग से भरने की अप्रूवल मिल गई है। पात्रों को शीघ्र ही सैल की ओर से काल लैटर जारी होंगे। नए आदेशों के तहत करीब 70 पद टीमेट के पूर्व सैनिकों से भरे जाएंगे। टीमेट का मुख्य कार्य लाइन स्टाफ मेंटीनेंस लाइन वर्क पर साथ होना होता है। यहीं नहीं आग पर काबू पाने का जिम्मा भी अब पूर्व सैनिक संभालेंगे। फायरमैन के 25 पद इस वर्ग से भरने को स्वीकृति मिलते ही पात्रों को चयन प्रक्रिया पर कार्य ने तेजी पकड़ ली है। पूर्व सैनिकों को इसके अलावा दूसरे कई विभागों में कोटे के तहत पुनः रोजगार के तहत अनुबंध आधार पर नियुक्तियां होनी हैं।

अप्रूवल मिली

कंडक्टर्स के पदों को 15 फीसदी कोटे के तहत भरने की अप्रूवल मिल गई है। इसके अलावा टीमेट व फायरमैन के पदों को भरने के लिए एक माह तक इंटरव्यू प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। जेओई पदों को 28 से इंटरव्यू लिए जाएंगे। इसके लिए पूर्व सैनिक एक साल का डिप्लोमा व शैक्षणिक योग्यता जमा दो होनी चाहिए। अलग अलग विभागों में कई पदों को बड़े स्तर पर भरने की प्रक्रिया शीघ्र ही तेज की जा रही है।

ब्रिगेडियर एसके वर्मा, निदेशक पूर्व सैनिक कल्याण निदेशालय हिमाचल

पहल | बच्चों की पढाई से लेकर पुनर्रोजगार योजना का मिलेगा लाभ, निदेशक स्वयं पहुंचकर जानेंगे समस्याएं

पूर्व सैनिकों की समस्या हल करेगी 'गाइड'

अश्वनी वालिया। हमीरपुर

सैनिक जब भूतपूर्व बनता है, तो अकसर जानकारी के अभाव में वह हर जगह समस्याओं से दो-चार होता है, कई बार 40-45 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्ति के बाद पुनर्रोजगार न मिलने से कई सरकारी योजनाओं से भी वंचित रह जाता है, लेकिन अब सैनिक की सेवानिवृत्ति होते ही पूर्व सैनिक कल्याण निदेशालय उन्हें गाइड का जिम्मा संभालेगा। राज्य में पहली बार तैयार की गई इस महत्वपूर्ण योजना के तहत सेवानिवृत्ति होने पर सैनिक के घर पहुंचते ही निदेशालय की ओर से बाकायदा उसे बच्चों की पढ़ाई से लेकर पुनर्रोजगार योजनाओं की जहां जानकारी मुहैया करवाई जाएगी, वहीं उसे एक गाइड बुक भी निःशुल्क मुहैया करवाई जाएगी। निदेशालय ने इस गाइड बुक को फाइनल कर दिया है। निदेशक स्वयं भी इस सेवानिवृत्त सैनिकों से मिलेंगे। पूर्व सैनिक विधवाओं को भी इसमें जानकारी होगी।

▪ पूर्व सैनिक कल्याण निदेशालय के निदेशक सुरेश कुमार वर्मा पूर्व सैनिकों की सहायता के लिए तैयार की गई गाइड बुक के साथ।

छोटी उम्र में रिटायर होने के बाद झेलते हैं कई समस्याएं

देश की तीनों सेनाओं में प्रदेश से इस समय एक लाख 25 हजार से ज्यादा सर्विंग सैनिक, सैन्य अधिकारी कार्यरत हैं। हर वर्ष यहां के दर्जनों सैनिक सेवानिवृत्त हो रहे हैं। निदेशालय ने बाकायदा इन सेवानिवृत्त हो रहे सैनिकों पर सर्वेक्षण करवाया है, जिसमें चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि छोटी आयु में सेवानिवृत्त होने पर जहां इनके बच्चे छोटे होते हैं, वहीं यह सेवानिवृत्त होने वाले सैनिक जानकारी के अभाव में अपनी जमा पूंजी को भी अनावश्यक खर्च कर निरंतर समस्याओं जूझ रहे हैं। यही नहीं घरेलू जमीनी विवाद से लेकर बच्चों को पढ़ाने तक उन्हें समस्याओं से दो-चार होना पड़ता रहा है, लेकिन अब निदेशालय बाकायदा उन्हें गाइड कर बच्चों को जहां सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाएंगे, वहीं उन्हें पुनर्रोजगार के लिए भी जानकारी मुहैया करवा कर इस क्षेत्र में भी स्थापित करेगा। निदेशालय ने एक ओर गाइड बुक तैयार की है। शूरवीर गाइड बुक के तहत भी उन्हें हर योजना की जानकारी मुहैया करवाने का कार्य शुरू हो गया है। अभियान के तहत पहले दौर में शिमला, धर्मशाला व मंडी में अमलीजामा पहनाया जा चुका है, यहां से एकत्र जानकारी की बाकायदा रिपोर्ट भी तैयार की जा रही है।

सेवानिवृत्ति होते ही सैनिक कई समस्याओं से दो-चार हो रहे हैं। ऐसे में मार्ग दर्शिका गाइड बुक उन्हें निःशुल्क दी जाएगी। बच्चों की पढ़ाई से लेकर पुनर्रोजगार समस्या का हल करवाएंगे। अन्य पुराने पूर्व सैनिकों की समस्याओं को जिला स्तर पर भी अब सुना जाएगा। **ब्रिगेडियर सुरेश कुमार वर्मा**, निदेशक, पूर्व सैनिक कल्याण निदेशालय हिमाचल

समाचार पत्रों में

एक्स सर्विस मैन कोटे से 18 को टी.जी.टी. आर्ट्स में नियुक्ति

शिमला, 2 जुलाई (प्रीति): प्रारंभिक शिक्षा विभाग ने एक्स सर्विस मैन कोटे के तहत 18 को टी.जी.टी. आर्ट्स के पदों पर नियुक्ति दी है। विभाग ने इस संबंध में नियुक्ति आदेश जारी कर दिए हैं।

सैनिक वैल्फेयर विभाग की सिफारिशों के बाद विभाग ने उक्त शिक्षकों को नियुक्ति दी है। विभाग ने अनुबंध आधार पर ये नियुक्ति यां की हैं। ये सभी शिक्षक टैट पास हैं। विभाग ने इन्हें 20 दिन के भीतर ज्वाइन करने के आदेश भी दिए हैं। इन आदेशों के तहत कांगड़ा के दयाल सिंह को चम्बा के पूलन वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में लगाया गया है जबकि सिरमौर के रमेश चंद को जिला के वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल मटार, हमीरपुर के मान चंद को वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल मनोह हमीरपुर, पावंटा साहिब के संदीप कुमार को बेचर का बाग वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल, सोलन के बाबू राम को वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल लोहारघाट सोलन, मंडी सरकाघाट के कृष्ण चंद को वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल भांबला, हमीरपुर के स्वरूप सिंह को वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल सुराल चम्बा, सिरमौर के सुखदेव सिंह को वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल वासनी, इसी जिले के रनदीप सिंह को वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल बनेठी लगाया गया है। इसके साथ ही शिमला के प्रदीप कुमार को वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल बायचड़ी, बिलासपुर के सुरेश कुमार को वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल निचार किन्नौर, मंडी के प्रदीप कुमार को वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल धर्मपुर मंडी, सरकाघाट के विजय कुमार को वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल बटसेरी, मंडी के रविंद्र सिंह को वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल पांगी, इसी जिले के रवि सिंह को वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल सैंज, कांगड़ा के गजेंद्र चंद को वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल बालकरूपी, जोगिंदनगर के चंद्र शेखर को वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल लुहरी कुल्लु व पालमपुर के कुलदीप चंद को चम्बा के वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल झाहाकोठी लगाया गया है।

बेटों से ज्यादा बेटियों को मिलेंगे पैसे, हर वर्ष 27 हजार तक का फायदा

16 कोर्स कराने को पूर्व सैनिकों के बच्चों को अब बोर्ड देगा राशि

मैरिट आधार पर बोर्ड करेगा चयन

कल्याण योजनाओं को अब ऑनलाइन आवेदन

प्रदेश के पूर्व सैनिकों को बार-बार नहीं काटने होंगे कार्यालयों के चक्कर

युद्धवीर सिंह

हमीरपुर। पूर्व सैनिकों को कल्याण योजनाओं का लाभ लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। कल्याण योजनाओं के लिए आवेदन करने को सबसे पहले ऑनलाइन पंजीकरण करना अनिवार्य होगा। इसके लिए पूर्व सैनिक कल्याण बोर्ड ने अधिसूचना जारी कर दी है। पहले पूर्व सैनिक योजनाओं का लाभ लेने को ऑफलाइन आवेदन करते थे। अब केंद्रीय सैनिक कल्याण बोर्ड की वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण के उपरांत पूर्व सैनिक विभिन्न योजनाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन पंजीकरण के लिए ई-मेल आईडी, फोन नंबर, बैंक खाता नंबर, डिस्चार्ज बुक, आधार कार्ड, पहचान पत्र सहित अन्य जरूरी दस्तावेज भी अपलोड करने होंगे। पंजीकृत होने के बाद पूर्व सैनिक किसी भी योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन के बाद संबंधित जिले के पूर्व सैनिक कल्याण बोर्ड के उपनिदेशक कार्यालय में मीटिंग तय होगी। यहां संबंधित दस्तावेजों की जांच की जाएगी। इसके बाद सैनिक निदेशालय के माध्यम से संबंधित योजना का लाभ सीधा बैंक खाते में पहुंचेगा।

> केंद्रीय सैनिक कल्याण बोर्ड की वेबसाइट पर होगा ऑनलाइन पंजीकरण
>
> अब योजना से संबंधित दस्तावेज भी ऑनलाइन ही करवाने होंगे अपलोड
>
> पूर्व सैनिकों को बिना पंजीकरण नहीं मिलेगा कल्याण योजनाओं का लाभ

> विभिन्न कल्याण योजनाओं का लाभ लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है। पंजीकरण के बाद किसी भी योजना का लाभ लिया जा सकता है। सभी पूर्व सैनिकों को केंद्रीय सैनिक बोर्ड की वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण करना अनिवार्य है। - ब्रिगेडियर एसके दत्त, निदेशक पूर्व सैनिक कल्याण बोर्ड हमीरपुर

छात्रवृत्ति से वंचित हो रहे पूर्व सैनिकों के बच्चे

जानकारी के अभाव में नहीं ले पा रहे प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना का लाभ

युद्धवीर सिंह

हमीरपुर। हिमाचल के पूर्व सैनिकों के बच्चों को प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। पूर्व सैनिकों को भी उनके बच्चों के लिए चलाई गई विभिन्न योजनाओं की जानकारी नहीं है।

इनके बच्चों को प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना (पीएमएसएस) के तहत राशि मिलती है। इसमें लड़कियों को 27 हजार और लड़कों को 24 हजार रुपये की राशि हर साल मिलती है। योजना में देश के कुल 4400 विद्यार्थियों को यह लाभ मिलता है। व्यावसायिक प्रशिक्षण में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को कोर्स पूरा करने के बाद छात्रवृत्ति दी जाती है। प्रदेश में इस बार महज 72 विद्यार्थियों ने ही इस योजना का लाभ उठाया। पिछले वर्ष यह आंकड़ा 40 तक पहुंचा था।

जमा दो उत्तीर्ण करने के बाद व्यावसायिक कोर्स के प्रथम वर्ष के दौरान पूर्व सैनिकों के बच्चों को योजना का लाभ मिलना शुरू होता है। छात्रवृत्ति के लिए जमा दो की मेरिट के आधार पर छात्रों का चयन होता है। कोर्स पूरा होने की अवधि तक यह राशि प्रति वर्ष मिलती है। बच्चों को मेडिकल, टेक्निकल, मैनेजमेंट और अन्य कोर्सों सहित कुल 44 प्रकार के व्यावसायिक कोर्सों के लिए छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिलता है।

> लड़कियों को 27 हजार, लड़कों को 24 हजार मिलती है वार्षिक छात्रवृत्ति
>
> व्यावसायिक कोर्स पूरा होने तक प्रतिवर्ष मिलती है छात्रवृत्ति योजना की राशि
>
> विभिन्न 44 प्रकार के व्यावसायिक कोर्सों के लिए मिलता है वजीफे का लाभ

> प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना (पीएमएसएस) में पूर्व सैनिकों के बच्चों को व्यावसायिक कोर्स के लिए प्रति वर्ष छात्रवृत्ति दी जाती है। इस वर्ष मात्र 72 छात्रों को लाभ मिला है। लड़कियों को 27 हजार, लड़कों को 24 हजार रुपये छात्रवृत्ति मिलती है। पूर्व सैनिकों के बच्चे जानकारी के अभाव में योजना के लाभ से वंचित हो रहे हैं। - ब्रिगेडियर एसके दत्त, निदेशक सैनिक कल्याण बोर्ड, हमीरपुर।

शहीद सैनिक के भाई या बहन को भी मिलेगी सरकारी नौकरी

अमर उजाला ब्यूरो

> आश्रितों को सरकारी नौकरी देने की नीति अधिसूचित की सरकार ने
>
> परिवार से कोई नौकरी पर हो तो भी लागू होगा ये प्रावधान

शिमला। हिमाचल प्रदेश में अब शहीद सैनिक के भाई या बहन को भी सरकारी नौकरी मिलेगी। शहीद परिवारों के आश्रितों को सरकारी नौकरी देने की व्यवस्था करते हुए हिमाचल सरकार ने शहीदों के आश्रितों को सरकारी नौकरी देने की नीति को अधिसूचित कर दिया है। इसे अतिरिक्त मुख्य सचिव कार्मिक ने जारी कर दिया है।

ये मामला लंबे समय से सरकार के विचाराधीन था। राज्य सरकार ने ये तय किया है कि किसी सैनिक शहीद होने पर संबंधित परिवार के किसी एक आश्रित को सरकारी नौकरी दी जाएगी। इसके लिए सीधी भर्ती के तय प्रावधानों में छूट दी जाएगी। केवल बोनाफाइड हिमाचली शहीद परिवारों के आश्रितों के लिए ही नौकरी का ये प्रावधान किया गया है। इसमें पहले वरीयता शहीद विधवा या बेटे के लिए दी जाएगी। इसके अलावा अविवाहित पुत्री भी इसके लिए पात्र होगी। अगर शहीद सैनिक अविवाहित हो तो उनके भाई या अविवाहित बहन को भी नौकरी दी जाएगी। आश्रितों को क्लास थ्री और क्लास फोर श्रेणियों के लिए ही समझा जाएगा। अगर शहीद परिवार के एक या इससे अधिक सदस्य भी नौकरी पर हों तो भी ये प्रावधान लागू होगा। इस बारे में उपायुक्तों के समक्ष ही आवेदन करने होंगे। इसके लिए वित्त विभाग की मंजूरी जरूरी होगी।

सैनिक की विधवा को 30 साल बाद मिला इनसाफ

चंबा, 1 जून। सैनिक कल्याण विभाग चंबा के डिप्टी डायरेक्टर ले. कर्नल जयकरण सिंह ने बताया कि पिछले साल चंबा में अपना पद ग्रहण करने के पश्चात भरमौर में भूतपूर्वक सैनिकों की रैली के दौरान एक केस सामने आया जिसमें, सैनिक विधवा सिमलो देवी सालों से अपनी विधवा पेंशन के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटा रही थी उसे 30 सालों से पेंशन नहीं मिली। कर्नल जयकरण सिंह ने आश्वासन दिया तथा केस की पैरवी शुरू कर दी। काफी पत्र व्यवहार करने के पश्चात केस को फौज के पेंशन कार्यालय भेजा। कर्नल ने बताया कि उनके प्रयास रंग लाए और विधवा को पेंशन केस मंजूर हो गया। उन्होंने बताया कि पीसीडीए इलाहबाद से सिमलो देवी को पेंशन प्रदान कर दी गई है। कर्नल जयकरण सिंह ने बुधवार को उनके चंबा स्थित कार्यालय में उन्होंने अपने हाथों से विधवा को पीपीओ तथा पेंशन बुक प्रदान कर दी गई। उन्होंने बताया कि अब विधवा को तकरीबन 7 लाख रुपए का एरियर व हर माह 7 से 8 हजार रुपए की पेंशन राशि मिलेगी तथा 2006 से पेंशन मिलेगी। कर्नल जयकरण सिंह ने सिमलो का पति फौज में था। तीन साल की सर्विस के दौरान उसका देहांत हो गया था। सिमलो की उस समय उम्र कम थी। परिवारवालों ने उसका दोबारा विवाह पति के भाई के साथ करवा दिया। इसी दौरान कानून बना था कि सैनिक विधवा अगर पति के सगे भाई से पुनर्विवाह करती है तो वह सैनिक विधवा पेंशन की हकदार होगी। सिमलो पिछले 30 वर्षों से ट्रिब्यूनल चंडीगढ़ में अपने हक की लड़ाई लड़ रही। इस दौरान उसने काफी धन भी खर्च कर दिया था। मगर इन्साफ नहीं मिला। उसके केस को पेंशन कार्यालय भेजा गया और अंत मे सिमलो को न्याय मिला।